

सिटी थाने में मंगलवार रात कुछ लोगों ने पुलिस कर्मचारी पर शराब पीने व नशीले पदार्थों का कारोबार करने के लगाए थे आरोप

पुलिस कर्मचारी पर ही नशा बेचने का आरोप, मेडिकल में अल्कोहल की पुष्टि होने पर सस्पेंड, एसएचओ का तबादला

हरिभूमि न्यूज ॥ नारनौल

सिटी थाना में मंगलवार रात कुछ लोगों ने पहुंचकर एक पुलिस कर्मचारी पर शराब पीने और नशीले पदार्थों का कारोबार करने के संगीन आरोप लगाए। इसके बाद वहां हंगामा खड़ा हो गया। उस वक्त सिटी पुलिस अपने स्टाफ साथी पर लगाए आरोपों को निराधार बताती दिखी। ऐसे में वहां आधे घंटे से अधिक हंगामे के बीच वाद-विवाद चला।

मामला एसपी दीपक कुमार के पास पहुंचा, तो शिकायत मिलने पर आरोपित पुलिस कर्मचारी का मेडिकल करवाया गया। जिसमें उसके शराब का सेवन करने की पुष्टि हुई। वहीं नशीला पदार्थ

बेचने के आरोपों की जांच के लिए कमेट्री गठित कर कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं अन्य नशीला पदार्थ लेने की जांच के लिए सैपल लिए गए हैं।

जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे कार्रवाई की जाएगी यहीं नहीं, एसपी ने सिटी एसएचओ विरेंद्र सिंह की जगह अनिल कुमार को नियुक्त किया है। डीएसपी भारत भूषण ने बताया कि मंगलवार शाम करीब आठ बजे कुछ लोग सिटी थाना पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ईश्वरजी संजय शराब के नशे में हैं और नशीले पदार्थों की बिक्री करता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कर्मचारी का मेडिकल करवाया। मेडिकल रिपोर्ट में उसके शराब पीने की पुष्टि हुई।



नारनौल। सिटी थाने में हंगामा करते लोग।

फोटो: हरिभूमि

■ एसपी ने सिटी एसएचओ विरेंद्र सिंह की जगह अनिल कुमार को नियुक्त किया

नया कस्टे हैं पीआरओ

पुलिस प्रवक्ता नरेश यादव ने बताया कि सिटी एसएचओ अनिल कुमार को लगाया गया है।

अभी नहीं मिले बिक्री से जुड़े सबूत : डीएसपी

डीएसपी ने बताया कि नशीले पदार्थों की बिक्री से जुड़े आरोपों को लेकर अभी तक कोई पुख्ता सबूत सामने नहीं आया है। हालांकि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में यदि कर्मचारी दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति

डीएसपी ने कहा कि महेन्द्रगढ़ पुलिस की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। पुलिस कर्मचारी हो या आम व्यक्ति, यदि कोई नशीले पदार्थों की सप्लाई करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

खबर संक्षेप

पुलिस ने की अवैध शराब बरामद

मंडी अटेली। गांव गद्दी रूथल में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 58 पखे व छह बोतल अवैध देशी शराब बरामद की है। मुखबिर से सूचना मिली कि गद्दी रूथल निवासी सत्यवीर अपने घर के सामने सफेद प्लास्टिक के कट्टे में अवैध शराब रखकर बेचने की तैयारी कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। तलाशी के दौरान उसके पास रखे प्लास्टिक के कट्टे से 58 पखे व छह बोतल अवैध देशी शराब बरामद हुई। अटेली पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

टाइगर क्लब के मुख्य सलाहकार बने सतपाल नारनौल। सतपाल यादव प्रधान बिजली व्यापार मंडल टाइगर क्लब परिवार के मुख्य सलाहकार बनाए गए हैं। उन्हें टाइगर क्लब परिवार के संरक्षक गजेंद्र नम्बरदार व प्रधान राकेश यादव ने माता रानी का पटका पहनाकर क्लब का सदस्य बनाया व मुख्य सलाहकार की जिम्मेदारी शोपी। इस मौके पर क्लब के संरक्षक गजेंद्र यादव नंबरदार, सतपाल यादव, प्रधान राकेश यादव, सज्जन सिंह, किरोड़ी आदि सदस्य मौजूद थे।

20 मरीजों को मिला निक्षय मित्र का सहारा

मंडी अटेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अटेली में क्षय रोग (टीबी) के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान लोगों को टीबी के लक्षण, जांच, उपचार व पोषण के महत्व के बारे में जानकारी दी। आरआर आयुर्वेदिक अस्पताल अटेली की ओर से 20 टीबी मरीजों को निक्षय मित्र के रूप में अपनाया गया है। इस पहल के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एसएमओ डॉ. अशोक कुमार ने आरआर आयुर्वेदिक अस्पताल को प्रशंसा पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया। इस मौके पर डॉ. अशोक कुमार, टीयू इंचांजि डॉ. हिमांशी भाटिया आदि मौजूद थे।

प्रतिभा सम्मान समारोह 20 को

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव दौंगड़ा जाट स्थित स्कूल खेल मैदान में 20 सितंबर को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय प्रजापति प्रतिभा सम्मान समारोह को लेकर दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि 17 सितंबर निर्धारित की गई है। प्रजापति विकास समिति कनिनी एवं समस्त प्रजापति समाज की ओर से आयोजित समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। बलवान सिंह ठेकेदार ने बताया कि सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं व 12वीं में 80 प्रतिशत एवं इससे अधिक, स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 60 प्रतिशत तथा इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के अलावा नीट, आईआईटी, जेईई, एनडीए, पीएचडी, नेट, जेआरएफ में सफलता प्राप्त करने वाले तथा खेलों में पदक जीतने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

राज्यस्तरीय समारोह में वीर सैनिकों का सम्मान, सेवा व श्रम का देंगे संदेश

विश्वकर्मा जयंती पर महेन्द्रगढ़ में आज जुटेगा प्रदेश, मुख्यमंत्री करेंगे शिरकत

➤ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता सहित दिग्गजों का जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज ॥ महेन्द्रगढ़

भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर महेन्द्रगढ़ के खेल स्टेडियम में 17 सितंबर को राज्यस्तरीय भव्य समारोह आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता की मौजूदगी में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर जिले में उत्साह का माहौल है।

समारोह में भगवान विश्वकर्मा के सृजन एवं श्रम के संदेश के साथ-साथ सैनिक सम्मान, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े विषयों को भी प्रमुखता दी जाएगी। कार्यक्रम को लेकर भाजपा संगठन की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं। समारोह स्थल पर मंच, पंडाल, बैठने, पार्किंग, अतिथियों के स्वागत, कार्यक्रमताओं की जिम्मेदारियों और आमजन की सुविधाओं से संबंधित व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। मुख्यमंत्री के महेन्द्रगढ़ खेल स्टेडियम पहुंचने और कार्यक्रम में शामिल होने की पुष्टि की गई है।

समारोह से पहले भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव, पूर्व सांसद रामचंद्र जांगड़ा, विधायक कंवर सिंह यादव, प्रदेश महामंत्री गोपाल शर्मा, जिला प्रभारी वरुण श्योराज, जिला महामंत्री किशन सैनी एवं जिला महामंत्री योगेश शास्त्री ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। नेताओं ने मंच, पंडाल, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग, अतिथियों के स्वागत और आमजन की सुविधा से जुड़े प्रबंधों की जानकारी ली।

इस दौरान आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए कि समारोह में पहुंचने वाले लोगों को किसी



महेन्द्रगढ़। रैली स्थल का जायजा लेते विधायक व उपायुक्त।

फोटो: हरिभूमि

सेवा, श्रम और सैनिक सम्मान पर रहेगा जोर

समारोह केवल भगवान विश्वकर्मा जयंती तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सेवा, श्रम, सैनिक सम्मान और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों को भी मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के साथ स्वास्थ्य मंत्री आरती राव, सांसद चौधरी धर्मबीर, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा एवं कृष्ण लाल पंवार, विधायक ओमप्रकाश यादव, उमेश सिंह, सुनील सांगवान, पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह, संतोष यादव, सीताराम सहित प्रदेश के प्रमुख जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों और सर्व समाज के प्रतिनिधियों की मौजूदगी प्रस्तावित है।

सेवा संकल्प अभियान की भी होगी शुरुआत

17 सितंबर को प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा की यात्रा को लेकर सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत भी की जा रही है। हरियाणा सरकार में स्थित सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण ने दाखिला लेने के लिए इच्छुक अभ्यार्थी आवेदन पोर्टल एक बार फिर खोल दिया है। सत्र 2026-2027 में दाखिला लेने के लिए आवेदन करने की तिथि को 22 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। इच्छुक अभ्यार्थी एडमिशन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। साथ ही नए आवेदन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दाखिला पोर्टल पर 22 सितंबर तक ही भरे जा सकते हैं।

प्रकार की असुविधा न हो। भाजपा विधायक कंवर सिंह यादव और जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव सहित संगठन के पदाधिकारी पिछले कई दिनों से कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर कार्यक्रम की तैयारियों और जनसंपर्क में जुटे हुए हैं।

आईटीआई में दाखिला लेने की तिथि 22 सितंबर तक बढ़ाई

महेन्द्रगढ़। हरियाणा राज्य में आईटीआई की चल रही दाखिला प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में है। कोशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा का ऑन साइट एडमिशन का शूटयूट जारी है। अब हरियाणा राज्य में स्थित सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण ने दाखिला लेने के लिए इच्छुक अभ्यार्थी आवेदन पोर्टल एक बार फिर खोल दिया है। सत्र 2026-2027 में दाखिला लेने के लिए आवेदन करने की तिथि को 22 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। इच्छुक अभ्यार्थी एडमिशन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। साथ ही नए आवेदन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दाखिला पोर्टल पर 22 सितंबर तक ही भरे जा सकते हैं।

आय सीमा बढ़ने से 17 लाख अतिरिक्त महिलाओं को योजना के दायरे में लाने की तैयारी

लाडो लक्ष्मी योजना के लिए आज से करें नए आवेदन, 1.80 लाख तक आय वाले परिवारों की महिलाओं को मिलेंगे 2100 रुपये

हरिभूमि न्यूज ॥ नारनौल

हरियाणा सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के दायरे को बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब 1.80 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले परिवारों की पात्र महिलाओं को भी योजना का लाभ मिल सकेगा। योजना के तहत पात्र महिला के खाते में हर महीने 2100 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

नए पात्र परिवारों और महिलाओं को योजना से जोड़ने के लिए 17 सितंबर से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी

सत्यापन के बाद बीपीएल परिवारों की संख्या घटी

हरियाणा में हालिया सत्यापन अभियान के बाद बीपीएल परिवारों की संख्या में भी बदलाव हुआ है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सितंबर 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में बीपीएल परिवारों की संख्या करीब 52.50 लाख तक पहुंच गई थी। इसके बाद सरकार की ओर से पात्रता की जांच और भौतिक सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान अपात्र पाए गए परिवारों को सूची से बाहर किया गया, जिसके बाद करीब 13.50 लाख परिवारों को बीपीएल सूची से हटया गया। वर्तमान में राज्य में करीब 39.89 लाख परिवार बीपीएल सूची में शामिल बताए जा रहे हैं और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं।

गई है। आय सीमा बढ़ाए जाने के बाद बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं भी योजना के दायरे में आ सकेंगी, जो पहले निर्धारित आय सीमा के कारण इसका लाभ नहीं ले पा रही थीं। सरकार की ओर से योजना का उद्देश्य महिलाओं को

नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाना है। हालांकि लाभ प्राप्त करने के लिए आय सीमा के अलावा योजना में निर्धारित अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करना भी जरूरी होगा।

पंजीकरण से पहले पात्रता जांच जरूरी

लाडो लक्ष्मी योजना के लिए आवेदन करने वाली महिलाओं को पंजीकरण से पहले अपनी पात्रता की जांच करनी होगी। केवल परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि योजना में निर्धारित अन्य शर्तों को भी पूरा करना होगा। सरकार की ओर से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होने के बाद पात्र महिलाएं निर्धारित माध्यम से आवेदन कर सकेंगी। योजना का लाभ मिलने पर हर महीने 2100 की राशि आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध होगी। आय सीमा बढ़ाए जाने के बाद योजना का लाभ पाने वाली महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।



नारनौल। जनसम्पर्क करते पार्षद सिकंदर कुमार।

फोटो: हरिभूमि

सीएम कार्यक्रम के लिए किया जनसम्पर्क

नारनौल। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश आईटी सहप्रमुख एवं नगर पार्षद सिकंदर कुमार के नेतृत्व में बहरोड़ अंडरपास क्षेत्र, शोभासागर तालाब, दिल्ली वाली ढाणी व कडियावाला मंदिर के आसपास में सम्मानित लोगों से मिलकर भव्य अभियान अनावरण कार्यक्रम में अधिक संख्या में पहुंचने का निमंत्रण दिया। इस कार्यक्रम में महाराजा शूर सैनी जी की प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 17 सितंबर को सैनी सभा रेवाड़ी रोड में करेंगे। इस जनसंपर्क अभियान में भाजपा के जिला आईटी सदस्य दीपेश, पीयूष, दिनेश, विनोद शामिल थे।



हेल्थ वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब शरीर के सभी ज्वाइंट्स में हो पेन

मेरी उम्र 48 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरे घुटने, कोहनी, अंगुलियों के सभी ज्वाइंट्स में दर्द हो रहा है। आंखों के पीछे भी दर्द होता रहता है। कृपया बताएं कि मेरी यह समस्या कैसे ठीक होगी ?

—कुलदीप, रोहतक
जैसा आप बता रहे हैं कि ज्वाइंट्स में दर्द हो रहा है। सामान्य तौर पर यह लक्षण अर्थराइटिस का हो सकता है। पर आप बता रहे हैं कि आंख के पीछे भी दर्द हो रहा है। इसलिए जांच कराए। बेहतर होगा कि आप किसी ऑर्थोपेडिक से संपर्क कर लें। वह एक्स-रे समेत कुछ जांच कराएंगे, जिसके बाद पता पाएगा कि वजह क्या है, उसके बाद ट्रीटमेंट शुरू हो पाएगा। बगैर जांच कराए किसी तरह की दवा फिलहाल न लें। मेरी उम्र 62 वर्ष है। थोड़ा-सा खाना खाते ही मेरा पेट फूलने लगता है। गैस, भारीपन की वजह से परेशानी होने लगती है। इसकी क्या वजह है ? कहीं यह पेट की किसी बीमारी का संकेत तो नहीं ?

—दीपनारायण, रायपुर
उम्र बढ़ाने के साथ इस तरह की समस्याएं देखा जाती हैं। आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपकी पाचन क्रिया प्रभावित है, जिस वजह से यह समस्या आ रही है। सबसे पहले आप अधिक तला-भुना भोजन खाना छोड़ दें। साथ में दौपहर के खाने में दही या छाछ लें और सलाद भी खाएं। रात में खाना हल्का लें और कोशिश करें कि सोने से 3 घंटे पहले खाना खा लें। इस तरह बदलाव करने से अगर राहत मिल जाती है तो ठीक है, नहीं तो आपको एक बार जनरल फिजिशियन से संपर्क करना पड़ेगा।

मेरी उम्र 40 वर्ष है। मैंने सुना है कि ब्लड प्रेशर अक्सर बिना लक्षणों के बढ़ता रहता है। ऐसे में हमें कैसे पता चलेगा कि बीपी कम है या ज्यादा ?

—संबित, बिलासपुर
अगर सिर में भारीपन है और घबराहट होती है तो सामान्य तौर पर यह लक्षण अधिक ब्लड प्रेशर का होता है और अगर थकान लगने के साथ सुस्ती लगती है तो यह ब्लड प्रेशर कम होने का लक्षण है। लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। अगर आपको ऐसा फील हो रहा है तो आप रेग्युलर एक हफ्ते तक सुबह और शाम ब्लड प्रेशर जांच कराएं। इससे पता चल जाएगा कि ब्लड प्रेशर आपको है या नहीं। अगर ऐसा है तो आपको डॉक्टर से संपर्क करके दवा लेनी चाहिए। दवा आपको रेग्युलर लेनी पड़ेगी। मेरी उम्र 37 वर्ष है। मैं यह जानना चाहता हूं कि साल में कौन-कौन से हेल्थ टेस्ट मुझे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

अवेयरनेस

उम्र बढ़ने के साथ चीजें भूलना सामान्य माना जाता है। कभी चरमा कहाँ रखा, किसी का नाम याद न आना या कोई जरूरी सामान भूल जाना, हम सभी के साथ होता है। लेकिन जब भूलने की समस्या लगातार बढ़ने लगे, रोजमर्रा के काम प्रभावित होने लगें और व्यक्ति अपने परिचित लोगों, जगहों या बातों को भी भूलने लगे तो इसे केवल उम्र का असर मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह अल्जाइमर डिजीज के शुरुआती संकेत हो सकते हैं।
अल्जाइमर क्या है: श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली में डायरेक्टर-न्यूरोलॉजी, डॉ. राजुल अग्रवाल बताते हैं, 'अल्जाइमर एक ऐसी बीमारी है जो धीरे-धीरे दिमाग की कार्यक्षमता को प्रभावित करती है। इसका सबसे ज्यादा असर मेमोरी, सोचने-समझने, बोलने और रोजमर्रा के फैसले लेने की क्षमता पर पड़ता है। यह बीमारी आमतौर पर धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआती दौर में इसके लक्षण काफी सामान्य लग सकते हैं। यहीं वजह है कि कई बार परिवार के लोग इन्हें उम्र बढ़ने का सामान्य हिस्सा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं।'
शुरुआती लक्षण: अल्जाइमर का सबसे आम शुरुआती लक्षण याददाश्त कमजोर होना है। व्यक्ति हाल में हुई बातचीत या घटना भूल सकता है और एक ही सवाल बार-बार पूछ सकता है। सामान किसी जगह रखकर भूल जाना, परिचित रास्ते में भटक जाना, सही शब्द खोजने में परेशानी होना या रोज किए जाने वाले कामों को करने में दिक्कत भी इसके संकेत हो सकते हैं। समय के साथ व्यक्ति को लोगों को पहचानने, पैसे का हिसाब रखने, दवाएं समय पर लेने या अपने जरूरी काम व्यवस्थित करने में

बढ़ती उम्र में मेमोरी लॉस को कॉमन मानते हैं। ऐसा अल्जाइमर डिजीज के कारण भी हो सकता है। लोगों को अल्जाइमर के प्रति जागरूक करने के लिए 21 सितंबर को वर्ल्ड अल्जाइमर-डे मनाया जाता है। इस बीमारी के होने के कारण, लक्षण और उपचार के बारे में आपके लिए यूजफुल सजेरांश।

ओल्ड एज में मेमोरी लॉस हो सकता है अल्जाइमर



परेशानी हो सकती है। कुछ लोगों के व्यवहार और मूड में भी बदलाव देखने को मिलता है। वे ज्यादा चिड़चिड़े, परेशान या दूसरों पर निर्भर हो सकते हैं।'
हर भूलने की समस्या अल्जाइमर नहीं: अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, कानपुर में सीनियर कंसल्टेंट-न्यूरोलॉजी, डॉ. जुबेर सरकार क्लीयर करते हैं, 'यह समझना भी जरूरी है कि हर तरह की भूलने की समस्या

अल्जाइमर नहीं होती। तनाव, नींद की कमी, कुछ दवाओं का असर, टिफाइन की कमी, डिप्रेशन और दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं भी मेमोरी को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए खुद से बीमारी का निष्कर्ष निकालने के बजाय लगातार या बढ़ती हुई समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होता है। इन्हें है अधिक रिस्क: उम्र बढ़ने के साथ अल्जाइमर का रिस्क बढ़ता है। इसके

दिमाग को बनाए रखें एक्टिव

जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है, उसी तरह दिमाग को एक्टिव रखना भी फायदेमंद माना जाता है। पढ़ना, नई चीजें सीखना, पहेलियां हल करना, संगीत सुनना, बातचीत करना और परिवार व दोस्तों के साथ समय बिताना मानसिक रूप से एक्टिव रहने में मदद कर सकता है। इसके साथ नियमित वॉक या एक्सरसाइज, पर्याप्त नींद और संतुलित डाइट को अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना चाहिए। ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं को कंट्रोल में रखना भी ओवरऑल बेत हेल्थ के लिए महत्वपूर्ण है।



डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. आकाश शाह
यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट
कोकिलाबेन आंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

जब घर में कोई उम्रदराज पुरुष रात में दो-तीन बार या इससे अधिक बार पेशाब करने के लिए उठने लगे या शिकायत करें कि उसे पेशाब करने में दिक्कत होती है, तो अमुक व्यक्ति और उसके परिजनों के मन में सबसे पहला सवाल अकसर यही आता है, 'कहीं यह प्रोस्टेट कैंसर तो नहीं है?' यह चिंता बिल्कुल स्वाभाविक है, लेकिन अच्छी बात यह है कि ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता है।

क्या है प्रोस्टेट ग्लैंड प्रॉब्लम

प्रोस्टेट पुरुषों में मूत्राशय (यूरिनरी ब्लैडर) के ठीक नीचे स्थित अखरोट के आकार की एक छोटी ग्रंथि है। उम्र बढ़ने के साथ इसमें स्वाभाविक रूप से बदलाव आते हैं और इनमें से अधिकांश बदलाव कैंसर से संबंधित नहीं होते हैं। यह शरीर का सामान्य बदलाव है, जिस पर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत होती है।

हो सकती हैं ये प्रॉब्लम्स

प्रोस्टेट से जुड़ी अधिकांश समस्याओं के पीछे दो गैर-कैंसरकारी (बेनाइन) स्थितियां होती हैं। **बेनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया:** बीपीएच उम्र बढ़ने के साथ प्रोस्टेट के स्वाभाविक रूप से बढ़ने की स्थिति है। जब प्रोस्टेट बड़ा होता है, तो यह मूत्रमार्ग (यूरेथ्रा) पर दबाव डाल सकता है। इससे ये समस्याएं हो सकती हैं:

- पेशाब की धार रुक-रुक कर आना।
- पेशाब शुरू करने में परेशानी।
- बार-बार पेशाब लगना।
- ऐसा महसूस होना कि मूत्राशय पूरी तरह खाली नहीं हुआ है।

प्रोस्टेटाइटिस: यह प्रोस्टेट में सूजन या संक्रमण की स्थिति है। बीपीएच के विपरीत, यह कम उम्र के पुरुषों को भी हो सकती है। इसके लक्षणों में शामिल हो सकते हैं:

- पेल्विस या कमर के निचले हिस्से में दर्द।
- पेशाब करते समय परेशानी या दर्द।
- कभी-कभी बुखार होना।

शुरुआती संकेतों पर दें ध्यान

- रात में कई बार पेशाब करने के लिए उठना।
- पेशाब की धार का कमजोर, रुक-रुक कर या शुरू होने में देर से आना।
- अचानक तेज पेशाब लगना और उसे रोकने में परेशानी होना।
- पेट के निचले हिस्से या पेल्विस में लगातार हल्का दर्द।
- किसी भी समय पेशाब में खून आना। इसे कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।
- इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें। यूरोलॉजिस्ट से सलाह लेना उचित है।

क्या है पीएसए टेस्ट

पीएसए जांच प्रोस्टेट की देखभाल में बहुत

उम्र बढ़ने के साथ पेशाब से जुड़ी समस्याएं बहुत आम हैं। ऐसा प्रोस्टेट ग्लैंड में प्रॉब्लम की वजह से हो सकता है। आपकी प्रॉब्लम न बढ़े और उसका प्रॉपर ट्रीटमेंट हो सके, इसके लिए बिना घबराए जल्द से जल्द जांच करवाना जरूरी है। प्रोस्टेट कैंसर अवेयरनेस मंथ (सितंबर) के मौके पर आपको यहां डिटेल में बता रहे हैं प्रोस्टेट से जुड़ी कई प्रॉब्लम्स के बारे में।

प्रोस्टेट प्रॉब्लम घबराएं नहीं कराएं प्रॉपर चेकअप-ट्रीटमेंट



उपयोगी है, लेकिन इसे अकसर गलत समझा जाता है। यह प्रोस्टेट द्वारा बनाए जाने वाले एक प्रोटीन को मापती है। डॉक्टर पीएसए के परिणाम को शारीरिक जांच और कभी-कभी एमआरआई जैसी इमेजिंग जांच के साथ देखकर पूरी स्थिति समझते हैं। केवल पीएसए के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि कैंसर है या नहीं।

आमतौर पर 50 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों को अपने डॉक्टर से पीएसए स्क्रीनिंग के बारे में बात करनी चाहिए। यदि परिवार में प्रोस्टेट कैंसर का इतिहास है, तो 40-45 वर्ष की उम्र से ही डॉक्टर से स्क्रीनिंग के समय और आवश्यकता के बारे में सलाह लेना उचित हो सकता है।

बढ़े हुए प्रोस्टेट का इलाज

इलाज पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि लक्षण आपको कितनी परेशानी दे रहे हैं।
हल्के लक्षण: हल्के लक्षणों में अकसर तुरंत

इलाज की जरूरत नहीं होती। डॉक्टर की निगरानी में कुछ सरल बदलाव मदद कर सकते हैं।

- शाम के समय अधिक मात्रा में पानी पीने से बचना।
- कैफीन और शराब का सेवन कम करना।
- समय-समय पर लक्षणों की निगरानी करना।

स्थिति में दवाएं मदद कर सकती हैं। अल्फा-ब्लॉकर्स दवाएं प्रोस्टेट और मूत्राशय के आसपास की मांसपेशियों को रिलैक्स करती हैं, जिससे पेशाब का प्रवाह बेहतर हो सकता है। कुछ अन्य दवाएं कई

महीनों में प्रोस्टेट का आकार कम करने में मदद कर सकती हैं।

गंभीर लक्षण: गंभीर लक्षणों की स्थिति में प्रक्रिया या सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है।
टीयूआरपी- (ट्रांस्युरेथ्रल रीसेक्शन ऑफ द प्रोस्टेट) में पेशाब के रास्ते को रोकने वाले अतिरिक्त प्रोस्टेट टिश्यू को हटाया जाता है।
लेजर तकनीक होलेप- हॉलमियम लेजर

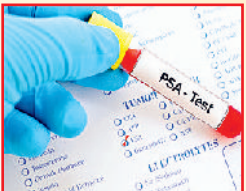
मिथ और उससे रिलेटेड फैक्ट

मिथ: पेशाब करने में कोई भी बदलाव प्रोस्टेट कैंसर का संकेत है।

तथ्य: पेशाब से जुड़ी अधिकांश समस्याएं बीपीएच या संक्रमण जैसी गैर-कैंसरकारी स्थितियों के कारण होती हैं, कैंसर के कारण नहीं। सही अंतर केवल उचित चिकित्सकीय जांच से ही पता चल सकता है। इसलिए

शुरुआती बदलाव देखकर घबराने की जरूरत नहीं है।

मिथ: पीएसए का स्तर बढ़ा है, इसका मतलब निश्चित रूप से कैंसर है।
तथ्य: पीएसए (प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन) एक रक्त जांच है, यह अपने आप में कैंसर का कंफर्मेशन नहीं है। पीएसए का स्तर कुछ कारणों से भी बढ़ सकता है। पीएसए बढ़ने का मतलब केवल इतना है कि डॉक्टर को आगे और जांच की जरूरत हो सकती है, जैसे दोबारा पीएसए जांच, इमेजिंग या कभी-कभी बायोप्सी। इसका मतलब यह नहीं है कि कैंसर की पुष्टि हो गई है।



कैंसर का इतिहास है, तो 40-45 वर्ष की उम्र से ही डॉक्टर से स्क्रीनिंग के समय और आवश्यकता के बारे में सलाह लेना उचित हो सकता है।

हल्के लक्षण: हल्के लक्षणों में अकसर तुरंत

फिटनेस

अजेश कुमार

आज की डिजिटल जीवनशैली में, ऑफिस में काम करने वाले पेशेवरों, छात्रों और यहां तक कि गृहस्थों में भी गर्दन और कंधे का दर्द आम होता जा रहा है। कंप्यूटर और मोबाइल फोन पर लंबे समय तक झुके रहना, खराब मुद्रा (पोस्चर), शारीरिक गतिविधि की कमी और मानसिक तनाव, गर्दन और कंधों की मांसपेशियों, अस्थिवंध और जोड़ों पर निरंतर दबाव डालते हैं।

शुरुआती लक्षणों पर दें ध्यान: समस्या की शुरुआत में ये लक्षण गर्दन के आस-पास हल्का खिंचाव, भारीपन, सिर के पिछले हिस्से में दर्द या कंधे की हड्डियों के बीच तनाव के रूप में दिखाई दे सकते हैं। यदि इन्हें नजरअंदाज किया जाए, तो ये समस्याएं निम्नलिखित विकारों में बदल सकती हैं-

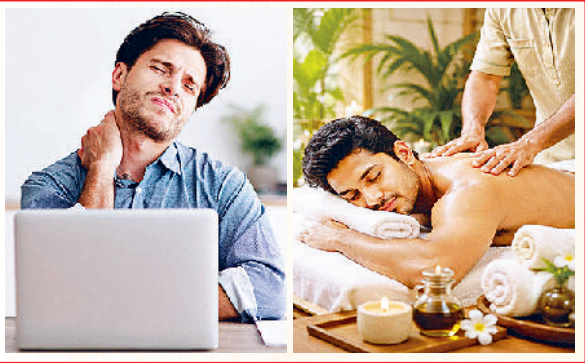
- कंधों और बांहों तक दर्द फैलना।
- मांसपेशियों में ऐंठन होना।
- डिस्क से जुड़ी समस्याएं।
- नसों पर दबाव महसूस होना।
- सर्वाइकल स्पोंडिलाइसिस की समस्या।

मिडएज में बढ़ती है समस्या: 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में, विशेष रूप से डायबिटीज से पीड़ित लोगों में, कंधे के जोड़ का अकड़ जाना, जिसे आमतौर पर फ्रोजन शोल्डर कहा जाता है, अकसर देखा जाता है, जो दैनिक गतिविधियों को काफी हद तक सीमित कर सकता है।
आयुर्वेदिक उपचार का तरीका: आयुर्वेद इन विकारों को मुख्य रूप से वात असंतुलन के अंतर्गत रखता है, जो मांसपेशियों, हड्डियों, स्नायु तथा संधियों को प्रभावित करता है। इसलिए, आयुर्वेदिक दृष्टिकोण केवल अस्थायी दर्द से राहत पाने तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य उचित जीवनशैली, पोषिक और संतुलित आहार, औषधियों और विशेषकर पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से मूल

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

आज के दौर में टीन, मिड और ओल्ड एज के लोगों में गर्दन और कंधे के दर्द की समस्या सामान्य होती जा रही है। इससे राहत पाने के लिए आप आयुर्वेदिक उपचार का सहारा ले सकते हैं। यह उपचार कैसे काम करता है, जानिए।

गर्दन-कंधे में लगातार दर्द आयुर्वेदिक उपचार है प्रभावी



असंतुलन को ठीक करना है।

दैनिक आदतें और प्राकृतिक देखभाल: इस अवस्था में सरल दैनिक आदतें दर्द को रोकने और प्रबंधित करने में महत्वपूर्ण प्रभाव ला सकती हैं।

सही मुद्रा बनाए रखें: काम करते समय सीधी मुद्रा बनाए रखें, अपने कंप्यूटर स्क्रीन को आंखों के स्तर पर रखें और मोबाइल फोन का उपयोग करते समय गर्दन को लंबे समय तक झुकाने से बचें।
कार्य के बीच में आराम: गर्दन, कंधों और ऊपरी पीठ की हल्की स्ट्रेचिंग के लिए हर 30-40 मिनट में 2-3 मिनट का ब्रेक लें। आयुष मंत्रालय द्वारा सुझाए गए 5 मिनट योग प्रोटोकॉल की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है।
अपनाएं स्वस्थ जीवनशैली: पर्याप्त जल का सेवन, अच्छी नींद, नियमित शारीरिक गतिविधि और तनाव प्रबंधन भी समस्या से राहत दिलाने में बहुत महत्वपूर्ण हैं।
पंचकर्म द्वारा राहत: उचित मार्गदर्श में आयुर्वेदिक औषधियों

तैलों, जैसे-महानारायण तैलम से 5-10 मिनट की हल्की मालिश कठोर मांसपेशियों को आराम देने और लक्षणों से राहत दिलाने में मदद कर सकती है। साथ ही ग्रीवा बस्ति के द्वारा इसमें दीर्घकालीन लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

कब लें चिकित्सा सहायता: लगातार रहने वाले दर्द को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि गर्दन या कंधे के दर्द के साथ झुनझुनी, सुनपन, हाथों में कमजोरी, बांह उठाने में कठिनाई, कंधे की गति में गंभीर प्रतिबंध, या बांह में दर्द का फैलना जैसे लक्षण जुड़े हैं, तो चिकित्सीय सलाह आवश्यक है। समय पर निदान और चिकित्गत उपचार के साथ, आयुर्वेद गतिशीलता को बहाल करने, दर्द को कम करने, उसके दोबारा होने को रोकने और जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। *

(वरिष्ठ चिकित्साधिकारी-आयुर्वेद, डॉ. अमित भट्ट से बातचीत पर आधारित)



ख़बर संक्षेप

बाज़रे की सरकारी ख़रीद में देरी पर जेजेपी का हमला

नारनौल। जननायक जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता विजय छिलरो व किसान सेल जिला प्रधान माडूराम, प्रभारी कृष्ण यादव बोचड़िया ने सरकार से मांग की है कि बाज़रे की सरकारी खरीद तुरंत शुरू की जाए, ताकि किसानों को अपनी मेहनत की फसल औने-पौने दाम पर बेचने के लिए मजबूर न होना पड़े। जेजेपी नेताओं ने कहा कि सितंबर का आधा महीना बीत चुका है और किसानों की बाज़रे की फसल खेतों में तैयार खड़ी है। कमजोर मानसून के कारण पहले ही किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे में अगर फसल को घर में लाकर रखना पड़ेगा, तो भंडारण, सुखाने और संभालने का अतिरिक्त खर्च किसान पर पड़ेगा।

विद्यार्थियों को शिविर में स्वास्थ्य की जानकारी दी

महेन्द्रगढ़। स्वास्थ्य विभाग की ओर से विद्यार्थियों में मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बुचावास, झगड़ौली, धनौदा, सेहलंग, तलवाना एवं पाथेड़ा स्थित राजकीय विद्यालयों में मौखिक स्वास्थ्य जांच एवं स्वास्थ्य शिक्षा शिविरों का आयोजन किया गया। दांतों की सही तरीके से सफाई करने की विधि तथा दिन में दो बार ब्रश करने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल में मनाया हिंदी पखवाड़ा

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद में हिंदी पखवाड़ा के तहत राष्ट्रभाषा हिंदी विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जयप्रकाश कौशिक पूर्व प्राचार्य एवं साहित्यकार थे। सर्वप्रथम संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने संक्षिप्त रूप से हिंदी पर प्रकाश डालते हुए मुख्य अतिथि का परिचय स्टाफ मंच पर बच्चों से करवाया। मुख्य अतिथि ने हिंदी विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतवर्ष में हिंदी पखवाड़ा मनाने का क्या महत्व है। उन्होंने कहा कश्मीर से कन्याकुमारी, अरुणाचल प्रदेश से खाड़ी खंभात तक विस्तृत क्षेत्र में



नारनौल। स्कूल में अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो: हरिभूमि

भारत में हिंदी बोली जाती है। हिंदी भारत के माथे की बिंदी है। इस मौके पर प्राचार्य नेताराम सैनी, वाइस चेयरमैन कुलदीप सैनी, मैनेजिंग डायरेक्टर पूजन सैनी, सुनीता यादव, कविता, लक्ष्मी शर्मा, पूनम

अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के आह्वान पर होगा प्रदर्शन

मांगों को लेकर 29-30 सितंबर को लघु सचिवालय में धरना देंगे पेंशनर्स



नारनौल। बैठक को संबोधित करते जिला प्रधान घनश्याम दास शर्मा। फोटो: हरिभूमि

आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि राज्य प्रधान मास्टर वजीर सिंह व महासचिव रतन जिंदल के निर्देशानुसार 29 सितंबर को प्रातः 10 बजे से 30 सितंबर तक सेवानिवृत्त कर्मचारियों और सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के बीच कथित भेदभाव तथा वित्त विभाग के माध्यम से वरिष्ठ पेंशनर्स ने कहा कि अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन ने पेंशन भोगियों, पारिवारिक पेंशन भोगियों और वरिष्ठ नागरिकों के वैध अधिकारों की रक्षा के लिए देशव्यापी संघर्ष तेज करने का

निर्णय लिया है। आंदोलन के प्रथम चरण में 29 व 30 सितंबर को देशभर के सभी जिला मुख्यालयों पर 24 घंटे का धरना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर 2025 तक सेवानिवृत्त कर्मचारियों और सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के बीच कथित भेदभाव तथा वित्त विभाग के माध्यम से वरिष्ठ पेंशनर्स के प्रति अपनाए जा रहे नकारात्मक रवैये को लेकर पेंशनर्स में रोष है। उन्होंने आशंका जताई कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भविष्य में वेतन आयोग के लाभ से वंचित किया जा सकता है।

इन मांगों को लेकर उठाई आवाज

बैठक में पेंशनर्स ने कोरोना काल के 18 महीने के रोके गए महंगाई भत्ते का एरियर जारी करने, पेंशनर्स को केशलेस चिकित्सा सुविधा देने तथा गंभीर बीमारियों के इलाज में पैलन अस्पतालों में भी केशलेस व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से मांगें उठाए जाने और कई बार आंदोलन किए जाने के बावजूद अपेक्षित समाधान नहीं हुआ है। पेंशन में आयु के आधार पर बढ़ोतरी की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। इसके तहत 65 वर्ष की आयु पर पांच प्रतिशत, 70 वर्ष पर 10 प्रतिशत, 75 वर्ष पर 15 प्रतिशत और 80 वर्ष की आयु पर 20 प्रतिशत पेंशन बढ़ोतरी की मांग की गई। इसके अलावा पारिवारिक पेंशनर्स को प्लटिनीसी सुविधा देने, वरिष्ठ नागरिकों को रेल और हवाई यात्रा में छूट प्रदान करने तथा पेंशन की कम्प्यूटेड राशि की कटौती 15 वर्ष के बजाय 11 वर्ष में पूरी करने की मांग की गई। पूर्व राज्य उपप्रधान जगलाल निगनिया ने कहा कि पेंशन नियम अधिनियम 2025 को वापस लिया जाए तथा आठवें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस में पेंशन पुनर्निर्धारण को शामिल किया जाए। उन्होंने पेंशन भोगियों को उनके लंबित अधिकार प्रदान करने की मांग भी उठाई। उन्होंने संघ के सदस्यों से 29-30 सितंबर को होने वाले धरने में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। साथ ही जिले में सदस्यता अभियान चलाने और संघर्ष फंड एकत्रित करने का आह्वान किया। जिला प्रधान घनश्याम दास शर्मा ने बैठक में पहुंचे सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व प्रधान पूर्णचंद, नांगल चौधरी प्रधान छोटेलाल यादव, जिला कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश दास, नारनौल प्रधान सुलाल, दुर्लौचंद गोठवाल, तारचंद सैनी, होशियार सिंह लांबा, हीरालाल, विजय सिंह यादव, सुरेश चंद, मामन राम, छाजुराम, कंवल सिंह, दिलीप सिंह, राजेश कुमार, अमर सिंह, सावंत सिंह, रामकिशन, रामनिवास, बंशीधर सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।



महेन्द्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस कॉलेज में धूमधाम से मनाया इंजीनियर्स डे

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेन्द्रगढ़

आरपीएस कॉलेज में सोमवार को इंजीनियर्स डे का आयोजन पूरे हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष के आयोजन की थीम एआई एरीना भविष्य का इंजीनियरिंग रखी गई, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं नवीनतम तकनीकों के क्षेत्र में अपनी रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम में स्नातक इंजीनियरिंग, कंप्यूटर अनुप्रयोग, व्यवसाय प्रशासन, प्रबंधन तथा डिप्लोमा के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष राव, अध्यक्ष पवित्रा राव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव, निदेशक डॉ. महेश कुमार यादव, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. आरएस यादव सहित सभी विभागाध्यक्ष मंच पर उपस्थित रहे। निदेशक डॉ. महेश कुमार यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता थीम पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया। आयोजन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित करने की प्रेरणा दी। रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव ने छात्रों को संबोधित करते हुए तकनीकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह ने अपने उद्बोधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती तकनीकों में युवा इंजीनियरों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की तथा विद्यार्थियों को नवाचार की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया।

एमए इंग्लिश के परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन



नारनौल। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मौरपुर की ओर से घोषित एमए इंग्लिश चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय स्तर की टॉप-10 पोजीशन में से चार स्थान हासिल किए। महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं छठी यूनिवर्सिटी पोजीशन प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी टॉप सूची के अनुसार मेधा पुत्री नरेश यादव ने 9.38 एसजीपीए प्राप्त कर विश्वविद्यालय में प्रथम, पल्लवी पुत्री सुशील कुमार ने 9.07 एसजीपीए के साथ द्वितीय, पायल शर्मा पुत्री शिवदत्त शर्मा ने 8.92 एसजीपीए प्राप्त कर तृतीय, अरुणा जट्ट पुत्री अशोक कुमार ने 8.54 एसजीपीए के साथ विश्वविद्यालय स्तर पर छठा स्थान हासिल किया। प्राचार्य डॉ. अमित चौधरी ने सभी सफल छात्राओं को बधाई दी। प्राचार्य डॉ. अमित चौधरी ने इस उपलब्धि के लिए अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. आरपी सिंह, डॉ. अजय शक्न, विभाग की शिक्षिकाओं डॉ. नीलम यादव, डॉ. सुमन यादव, डॉ. पूनम यादव, डॉ. प्रीति यादव व डॉ. ज्योति यादव को विशेष बधाई दी।

साइंस ड्रामा में श्रीकृष्ण स्कूल का दबदबा

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुमारका के विद्यार्थियों ने नॉर्दर्न इंडिया साइंस ड्रामा कॉन्टेस्ट 2026-27 के ब्लॉक स्तरीय मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद विद्यालय की प्रार्थना सभा में विजेता टीम के सभी होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साइंस ड्रामा में आठ विद्यार्थियों की टीम ने भाग लिया, जिसमें ज्ञानासा, अदिती, प्रिया, खुशी, कनिष्का, मोनु, रोहन व प्रतीक शामिल रहे। सभी विद्यार्थियों ने एकजुट होकर शानदार प्रस्तुति दी और निर्णायक मंडल का



नारनौल। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ध्यान आकर्षित करते हुए टीम को प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस उपलब्धि के साथ ही श्रीकृष्ण स्कूल की टीम ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए

क्वालीफाई कर लिया है। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव, प्राचार्य वेदपाल यादव व उप प्राचार्य संदीप खेरवाल ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें बधाई दी।



मंडलाना में बेटी जन्म पर कुआं पूजन

नारनौल। बेटी के जन्म पर अक्सर सन्याटा छा जाता है, लेकिन गांव मंडलाना में सुशील यादव के घर बेटी के जन्म पर ऐसा जश्न मनाया गया, जो पूरे इलाके के लिए मिसाल बन गया। सुशील यादव के घर लक्ष्मी के रूप में नवई परी के आगमन पर परिवार ने बड़े हर्षोल्लास के साथ पारंपरिक कुआं पूजन का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक रीति-रिवाजों के साथ हुई। परिवार की बुजुर्ग दादी निशा देवी पत्नी स्व. अनिल कुमार की अनुमति से महिलाओं ने कुएं की पूजा-अर्चना कर नवजात बेटी के सुखी, स्वस्थ और उत्तुंग भविष्य की कामना की। पूजा के बाद पूरा माहौल उत्सव में बदल गया। डीजे की धुनों पर महिलाओं, युवातियों और रिश्तेदारों ने जमकर नृत्य किया और खुशी का झंझार किया। इस अवसर पर एमपीएचई के पूर्व जिला प्रधान अनिल रसूलपुरिया व राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान ने कहा कि बेटी के पिता सुशील यादव और माता आरती देवी ने नवजात कन्या का कुआं पूजन करके यह संदेश दिया है कि बेटी और बेटा एक समान हैं। नवजात को आशीर्वाद देने के लिए मिशन जनसेवा समिति के प्रधान मुकेश चौहान, ममाज टीम सदस्य अनूप रिवासा, अनिल रसूलपुरिया, अशोक देवनगर, स्वास्थ्य निरीक्षक रणबीर सिंह, महेन्द्र बेरी, अशोक बेरी सहित स्वास्थ्य विभाग के अनेक कर्मचारी व गणमान्य लोग पहुंचे।

उत्सव की उमंग के बीच एसआईआर का संदेश, मौके पर ही बांटे व भरवाए गए मतदाता फॉर्म

गणेश उत्सव के मंच से लोकतंत्र की पाठशाला में अनूटी पहल

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

गणेश उत्सव इन दिनों पूरे देश में आस्था, उमंग और उल्लास का पर्व बना हुआ है। बच्चे हो या युवा, महिलाएं हो या पुरुष, बुजुर्ग हो या जनता हर वर्ग गणपति उत्सव के रंग में रंगा नजर आ रहा है, लेकिन नारनौल विधानसभा क्षेत्र में इसी उत्सवी माहौल को लोकतांत्रिक जागरूकता के अवसर में बदलकर एक अनूटी पहल सामने आई है। नारनौल-70 विधानसभा क्षेत्र के सर्कल नंबर सात के सुपरवाइजर डॉ. संजय शर्मा ने गणेश उत्सव के मंच को मतदाता जागरूकता का मंच बना दिया। रात के समय आयोजित गणेश उत्सवों में विशेष जागरूकता कैप लगाकर लोगों को एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उत्सव में शामिल लोगों को सहज और सरल भाषा में बताया गया कि मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण सही रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। डॉ. संजय शर्मा ने उत्सव के मंच से संबोधित करते हुए लोगों से अपील की कि जिन मतदाताओं को सुनवाई के लिए नोटिस प्राप्त हुए हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुनवाई में अवश्य उपस्थित हों। उन्होंने गणेश उत्सव पंडाल में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनुपमा अंजली के



नारनौल। एसआईआर के फॉर्म भरवाते सुपरवाइजर डॉ. संजय शर्मा। फोटो: हरिभूमि

संदेश देते हुए बताया कि इस समय 18 वर्ष से बड़े हर युवा को फॉर्म नंबर छह भरकर अपना वोट बनवाना चाहिए। इसके साथ ही नए पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने, अपात्र या मृत व्यक्तियों के नाम हटवाने तथा मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि या विसंगति होने पर उसे ठीक करवाने की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया। विशेष बात यह रही कि जागरूकता केवल भाषण तक सीमित

गणेश उत्सव समाज को जोड़ने का अवसर

गणेश उत्सव केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का अवसर भी है। इसी भावना के साथ उत्सव के मंच को मतदाता जागरूकता का माध्यम बनाया गया। इस पहल की विशेषता यह रही कि प्रशासनिक जागरूकता को औपचारिक बैठकों और कार्यालयों की सीमाओं से निकालकर लोगों के बीच, उनके अपने सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों तक पहुंचाया गया। निर्वाचन विभाग के मार्गदर्शन में गणेश उत्सव की उमंग के बीच एसआईआर का संदेश पहुंचाने की यह पहल लोकतंत्र में जनभागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक रचनात्मक और अनुकरणीय प्रयास के रूप में सामने आई है।

नहीं रही। सुपरवाइजर डॉ. संजय शर्मा ने उत्सव स्थल पर ही कैप लगाकर लोगों को आवश्यक फॉर्म उपलब्ध करवाए गए तथा इच्छुक नागरिकों के फॉर्म भरने में भी सहायता की। इस दौरान लोगों की शंकाओं का समाधान करते हुए उन्हें एसआईआर से संबंधित प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी दी गई। डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि जहां लोग स्वच्छता से बड़ी संख्या में एकत्रित होते हैं, वहां यदि उन्हें किसी महत्वपूर्ण जनहितकारी अभियान की जानकारी सहज तरीके से दी जाए, तो उसका प्रभाव कहीं अधिक होता है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति की बैठक



महेन्द्रगढ़। बैठक करते हुए। फोटो: हरिभूमि

महेन्द्रगढ़। डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति प्रधान अमन देवी जोरासिया की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। डॉ. आंबेडकर समा के कार्य काल का लेखा-जोखा वर्ष 2026 प्रस्तुत कर अनुमोदन किया गया। उन्होंने बताया कि डॉ. आंबेडकर भवन के छात्रावास निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जा रहा है। समाज के सहयोग से 18 कमरे, किचन, डाइनिंग हॉल, वाईन रूम, दो जीने, महिला पुस्तक के लिए अलग अलग बाथरूम रखा है, खुली एवं हवादार गैलरी और एक टीवी आईपी गैस्ट रूम, नक्शा देखकर छात्रावास निर्माण करने का प्रस्ताव पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही नया से नक्शा पास करवाया जाएगा। जोरासिया ने बताया कि डॉ. आंबेडकर भवन के बिजली कनेक्शन को रखाई करवा दिया है। इस मौके पर उपप्रधान राजवीर सिंह पूर्व सरपंच, एसएलजी अमन फाउंडेशन चेयरमैन सुंदरलाल जोरासिया, प्रिंसिपल कृष्ण कुमार मालड, थानेदार शेरसिंह चौहान, रोशनी देवी पूर्व सरपंच, सुरेंद्र सिंह, पूर्व सरपंच संतलाल खींची, भूपसिंह ढाणी फोगाट, मा. लालचंद, दानाराम, लक्ष्मण सिंह मेहरा, जगदीश प्रसाद, शैलराम भगत, डॉ. विजय चोपड़ा, सुभाष जाजिड, नरेश कुमार, प्रवीन कुमार पूर्व सरपंच, धनाराम पूर्व सरपंच, मोहनलाल आदि उपस्थित रहे।

बोली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला श्यामपुरा (15243) अटेली के जर्जर भवन बरामदा, रसोई सहित कबाड़ ड्यूल्डैस्क आदि की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 21.09.2026 वार सोमवार को प्रातः 10 बजे की जाएगी। नियम व शर्तें मौके पर बताई जाएगी। इच्छुक व्यक्ति स्थान व समय पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकता है। अंतिम फैसला स्कूल प्रबंधन समिति का होगा।

एस.एम.सी राजकीय प्राथमिक पाठशाला श्यामपुरा (ब्लॉक अटेली) महेन्द्रगढ़ मो. 9813539970

बोली सूचना

राजकीय उच्च विद्यालय कुंजपुरा व रा. प्रा. पाठशाला कुंजपुरा खण्ड अटेली जिला महेन्द्रगढ़ के प्रांगण में दिनांक 21.09.2026 वार सोमवार को प्रातः 9 बजे कबाड़ ड्यूल्डैस्क की खुली बोली लगाई जाएगी। नियम व शर्तें मौके पर बताई जाएगी। स्कूलों की एस.एम.सी. का निर्णय अंतिम होगा।

अध्यक्ष, सचिव एस.एम.सी रा.उ.वि. कुंजपुरा रा.प्रा. पाठशाला कुंजपुरा अटेली 123021 मो. 9416314407

ग्रामीण सेवा की शर्त में शिथिलता से प्रभावित शिक्षकों के सीएएस मामलों को आगे बढ़ने का मिलेगा अवसर



नारनौल। उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से जारी किया गया पत्र।

खबर संक्षेप

धन्दौदा में मूर्ति अनावरण समारोह 19 को
कनीना। गांव धन्दौदा स्थित आश्रम में श्रीकृष्णानन्द महाराज की तृतीय पुण्यतिथि एवं मूर्ति अनावरण समारोह 19 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा। आश्रम ट्रस्ट व स्वामी शिवानन्द महाराज ने बताया कि प्रातः 8:15 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन होगा। इसके बाद 10:15 बजे प्रतिमा अनावरण किया जाएगा। इसके श्रद्धालुओं के लिए भंडारा व प्रसाद वितरण होगा। मुख्य अतिथि पटौदी स्थित हरिहर मंदिर आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज होंगे।

आंगनवाड़ी केंद्र पर किया जागरूक

मंडी अटेली। पोषण माह के अंतर्गत बुधवार को आंगनवाड़ी केंद्र राता खुर्द में प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का प्रदर्शन व पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सकेल सुपरवाइजर अनीता यादव के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें महिलाओं एवं समुदाय के लोगों को संतुलित आहार और प्रोटीन के महत्व के बारे में जानकारी दी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने उपस्थित महिलाओं को बताया कि दैनिक आहार में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन शामिल करना शरीर के विकास और शक्ति के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम का उद्देश्य परिवारों को पौष्टिक खान-पान के प्रति जागरूक कर स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा।

अस्पताल में लगाया वाटर कुलर

महेंद्रगढ़। समाजसेवा और जनहित की भावना को आगे बढ़ाते हुए नागरिक अस्पताल में मरीजों व उनके परिजनों के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। अस्पताल परिसर में 600 लीटर क्षमता के एक स्वच्छ एवं शीतल जल वाटर कुलर सह आर ओ सिस्टम की स्थापना की गई है। यह जनहित कार्य भारत विकास परिषद शाखा के सहयोग से स्वर्गीय सत्यभामा पत्नी मोहनलाल अग्रवाल की पावन स्मृति में उनके परिवार, पति मोहनलाल अग्रवाल, पुत्री वंदना जैन एवं प्रीति जैन ने करवाया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद राष्ट्रीय गतिविधि संयोजक राजकुमार अग्रवाल ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि अस्पताल के एसएसओ जयप्रकाश व महेंद्र शर्मा उपस्थित रहे। इस मौके पर परिषद के शाखा अध्यक्ष रमनलाल माधोगढ़िया, रामनिवास पाटोदा, सचिव राम गोपाल मित्तल, कोषाध्यक्ष पवन भारद्वाज, रमेश टांक, रतिराम टांक, ओमप्रकाश सैनी, भारत खुराना, नीरज मित्तल, डॉ. सुमन रानी, ओमप्रकाश बचीनी, डॉ. भंवर सिंह, अमित भागवत, उमा खुराना, संजय माधोगढ़िया, सुभाष गुप्ता, नवीन राय, अश्विनी कुमार, अजय कक्कड़, शिवचरण अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, अजीय अग्रवाल, राधा अग्रवाल, रिया जैन, सलोनी जैन, कृष्ण अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, निपुल अग्रवाल मौजूद रहे।

जोरासी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाई

नारनौल। रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधाओं में बढ़ोतरी व स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नारनौल रेलवे स्टेशन से करीब सात किलोमीटर दूर फुलेरा रेलमार्ग पर स्थित अमरापुर जोरासी स्टेशन के प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य पूरा किया गया है। प्लेटफॉर्म को मीडियम लेवल से हाई लेवल किया गया है। इससे यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने में पहले की अपेक्षा अधिक सुविधा मिलेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल की ओर से विभिन्न स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म के नए निर्माण, ऊंचाई बढ़ाने और विस्तार के कार्य किए जा रहे हैं।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुडा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।

नारनौल :- रातय प्लाजा, प्रथम तल, टरफुन कलर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फ़ोन :- 8295154800, 8295738500, 9253681005

एबीआरएसएम के सतत प्रयासों का परिणाम, सरकार के निर्णय का महाविद्यालय शिक्षक महासंघ ने किया स्वागत

ग्रामीण सेवा की अनिवार्यता में 1 वर्ष की छूट, सीएएस पदोन्नति के पात्र शिक्षकों को राहत

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) हरियाणा कॉलेज शिक्षा ने सरकारी महाविद्यालयों के शिक्षकों के कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) मामलों में ग्रामीण सेवा की अनिवार्य शर्त में एक वर्ष की छूट दिए जाने के हरियाणा सरकार के निर्णय का स्वागत किया है। संगठन ने इसे शिक्षक हितों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए एबीआरएसएम के अध्यक्ष डॉ. सतीश सैनी, शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा तथा उच्चतर शिक्षा विभाग का आभार

सरकार के प्रति जताया आभार

डॉ. सतीश सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षक वर्ग की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लिया है। उन्होंने शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा का भी विशेष रूप से धन्यवाद किया और कहा कि उच्च शिक्षा एवं शिक्षक हितों से जुड़े विषयों पर सरकार का सकारात्मक दृष्टिकोण सराहनीय है। उन्होंने कहा कि एबीआरएसएम हरियाणा भविष्य में भी महाविद्यालय शिक्षकों की सेवा संबंधी समस्याओं, पदोन्नति, पेंशन, सीएएस, ग्रामीण सेवा, शैक्षणिक उन्नयन तथा अन्य लंबित मांगों को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाता रहेगा। संगठन का उद्देश्य सकारात्मक एवं रचनात्मक संवाद के माध्यम से शिक्षक हित और उच्च शिक्षा के हित में स्थायी समाधान प्राप्त करना है।

व्यक्त किया है। एबीआरएसएम कॉलेज शिक्षा हरियाणा के महामंत्री डॉ. सतीश सैनी ने कहा कि उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से जारी जारी पत्र के माध्यम से राज्य के सभी सरकारी महाविद्यालयों के संबंधित शिक्षण स्टाफ के सीएएस मामलों के

लिए लागू ग्रामीण सेवा की अनिवार्य शर्त को आदेश जारी होने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए शिथिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से उन शिक्षकों को राहत मिलेगी, जिनकी पदोन्नति प्रक्रिया ग्रामीण सेवा की अनिवार्य

शर्त के कारण प्रभावित हो रही थी। डॉ. सतीश सैनी ने कहा कि ग्रामीण सेवा में छूट का विषय एबीआरएसएम हरियाणा द्वारा लंबे समय से सरकार और उच्चतर शिक्षा विभाग के समक्ष प्रमुखता से उठाया जाता रहा है। संगठन ने शिक्षकों की

वास्तविक कठिनाइयों तथा ग्रामीण सेवा की अनिवार्यता के कारण सीएएस पदोन्नति मामलों में उत्पन्न हो रहे विलंब से सरकार को लगातार अवगत कराया। उन्होंने कहा कि संगठन का स्पष्ट मत है कि सीएएस के अंतर्गत शिक्षकों की पदोन्नति उनके अकादमिक कार्य, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव तथा निर्धारित यूजीसी मानकों के आधार पर समयबद्ध रूप से होनी चाहिए। ग्रामीण सेवा जैसी अनिवार्यता के कारण पात्र शिक्षकों के मामलों में अनावश्यक विलंब होना शिक्षक हित में उचित नहीं है। महासंघ के महामंत्री ने कहा कि एबीआरएसएम

पदोन्नति प्रक्रिया में आएगी तेजी

सरकार के इस निर्णय से सरकारी महाविद्यालयों के उन शिक्षकों को विशेष लाभ मिलेगा, जिनके सीएएस मामले ग्रामीण सेवा की अनिवार्य शर्त के कारण लंबित या प्रभावित हो रहे थे। एक वर्ष की छूट से पात्र शिक्षकों को अपने सीएएस मामलों को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा तथा पदोन्नति प्रक्रिया में उत्पन्न बाधाओं को दूर करने में

सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि समयबद्ध सीएएस पदोन्नति केवल शिक्षकों के व्यक्तिगत हित से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि इससे उनके मनोबल, शैक्षणिक गुणवत्ता और उच्च शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। पदोन्नति के अवसर मिलने से शिक्षक शैक्षणिक एवं शोध कार्यों के प्रति और अधिक उत्साह के साथ योगदान दे सकेंगे।

ने इस विषय को संगठन के विभिन्न स्तरों पर प्रभावी ढंग से उठाते हुए सरकार से सकारात्मक निर्णय का आग्रह किया। इसके परिणामस्वरूप

ग्रामीण सेवा की अनिवार्य शर्त में एक वर्ष की छूट मिलना संगठन के सतत प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

नया प्रशासन ने मरम्मत को लेकर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया

महेंद्रगढ़ में गोशाला सड़क की हालत खस्ता, गड़ों से बढ़ा हादसों का खतरा

नगर पालिका की ओर से चार वर्ष पहले करवाया गया था सड़क का निर्माण

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

शहर के गोशाला रोड की हालत इन दिनों बेहद खराब हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। स्थिति यह है कि सड़क के कई हिस्सों में गड्ढे इतने गहरे हो गए हैं कि पोहिया वाहन चालकों को काफी सावधानी के साथ निकलना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क की खराब हालत के कारण आदि दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं।

इसके बावजूद नगर पालिका प्रशासन की ओर से सड़क की मरम्मत को लेकर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गोशाला रोड शहर के महत्वपूर्ण मार्गों में शामिल है और इस रास्ते से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। सड़क के



महेंद्रगढ़। गोशाला की जर्जर सड़क।

फोटो : हरिभूमि

स्थानीय लोगों में रोष

गोशाला रोड के आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि सड़क की खराब हालत को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों का आरोप है कि सड़क के रखरखाव और मरम्मत की ओर नगर पालिका प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। लोगों ने मांग की है कि सड़क का निरीक्षण करवाकर गड्ढों को तुरंत भरा जाए और जल्द पड़ने पर सड़क की दोबारा मरम्मत करवाई जाए। दुकानदारों का कहना है कि सड़क पर उड़ने वाली धूल और गड्ढों के कारण कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। वाहनों के गुजरने के दौरान धूल के गुबार से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी होती है। वहीं सड़क की खराब सतह के कारण वाहनों के क्षतिग्रस्त होने की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं।

किनारे स्थित दुकानों, मकानों और अन्य संस्थानों में आने-जाने वाले लोगों को भी खराब सड़क के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक दिक्कत

हादसे की बनी रहती है आशंका

शाम के समय जब सड़क पर वाहनों की आवाजाही बढ़ जाती है, तब गड्ढों के कारण दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने पर वाहन चालकों के लिए गड्ढे दिखाई देना मुश्किल हो जाता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत करवाई जाए। लोगों का कहना है कि करीब चार वर्ष पहले बनाई गई सड़क का इस तरह जर्जर होना निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव दोनों पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से सड़क की स्थिति की जांच करवाने, निर्माण कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा करने और आवश्यकतानुसार मरम्मत करने की मांग की है। अब देखना होगा कि नगर पालिका प्रशासन गोशाला रोड की इस समस्या को कब तक दूर करता है।

जल्द होगी मरम्मत

नगर पालिका की ओर से शहर में अनेक जगह नई सड़क का निर्माण करवाया गया है। गोशाला सड़क मार्ग पर भी जल्द मरम्मत करवाई जाएगी। -रमेश सैनी, प्रधान नगर पालिका महेंद्रगढ़

अब जगह-जगह गहरे गड्ढे दिखाई दे रहे हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना और भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वाहन चालक कई बार अचानक गड्ढों में गिर जाते हैं।

राष्ट्र निर्माण की भावना को सशक्त करने पर जोर

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में युवा एवं सेवा फाउंडेशन हरियाणा की सातवीं वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला सेवा प्रबोधनका आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन विभाग एवं युवा एवं सेवा फाउंडेशन हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं में सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथिराष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. देवेंद्र सिंह रहे, जबकि मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता विनोद कुमार ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश कुमार ने की।



महेंद्रगढ़। कुलपति का सम्मान करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन

मुख्य वक्ता विनोद कुमार ने सेवा के व्यापक अर्थ और समाज जीवन में इसके महत्व पर विचार व्यक्त किए। अंत में डॉ. रिचा, व्यावसायिक अध्ययन विभाग ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन शोभाथी सिमरन ने किया और सेवा गीत डॉ. अभिषेक ने किया। इसके पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के संयोजन में प्रो. आशीष माथुर, अधिष्ठाता, सतत अध्ययन पीठ, डॉ. सुरेश मिश्रा, सहायक आयोजक डॉ. सुनील कुमार, सहायक आयोजक एवं डॉ. रिचा, सहायक आयोजक, व्यावसायिक अध्ययन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. राजेन्द्र प्रसाद मीणा, डॉ. नीरज कर्ण सिंह आदि सहित शोभाथी विद्यार्थी उपस्थित थे।

किसानों को बारिश का इंतजार

हरियाणा के पश्चिमी हिस्सों में लंबे समय से बारिश नहीं होने के कारण खरीफ फसलों पर मौसम की मार का असर बना हुआ है। कई क्षेत्रों में किसान फसलों को बचाने के लिए ट्यूबवेलों से सिंचाई करने को मजबूर हैं। ऐसे में 16 से 18 सितंबर के बीच संभावित हल्की बारिश से किसानों को कुछ राहत की उम्मीद है, लेकिन बारिश की मात्रा और क्षेत्रीय वितरण पर ही इसका वास्तविक लाभ निर्भर करेगा। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार फिलहाल हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम परिवर्तनशील रहेगा।

मानसून की वापसी के संकेत

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने के बाद यह उत्तर-पश्चिम से आने वाली सूखी हवाओं को अपनी ओर खींच सकती है। इसके प्रभाव से राजस्थान के आसपास प्रति-चक्रवाती परिसंचरण बनने में मदद मिल सकती है। जैसे-जैसे यह मौसमी सिस्टम आगे बढ़ेगा, उत्तर-पश्चिम भारत से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की प्रक्रिया शुरू होने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से 19 सितंबर के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल होनी चाहिए हैं। हालांकि मानसून की वापसी एक क्रमिक प्रक्रिया है और इसके आगे बढ़ने की स्थिति मौसम प्रणालियों तथा हवाओं के रूख पर निर्भर करेगी।

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हरियाणा-एनसीआर में बादलवाही और तेज हवाओं के साथ बूंदबांदी की संभावना

कमजोर मानसून के बीच बदलेगा मौसम, 18 तक हल्की बारिश के आसार

►► 19 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान से मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार कमजोर मानसून परिस्थितियां बनी हुई हैं। मानसून टर्फ के पहले तराई क्षेत्रों और इसके बाद राजस्थान के दक्षिणी हिस्सों में रहने के कारण मैदानी इलाकों में मानसून गतिविधियां सीमित बनी हुई हैं। हालांकि पिछले सप्ताह हरियाणा के उत्तरी और दक्षिण-पूर्वी जिलों में हल्की बारिश व बूंदबांदी दर्ज की गई, लेकिन पश्चिमी हरियाणा के कई हिस्सों में पिछले करीब एक महीने से बारिश की कमी के चलते सूखे जैसी परिस्थितियां बनी हुई हैं। वर्तमान मौसम परिदृश्य में हरियाणा एनसीआर



दिल्ली में मानसून गतिविधियां लगभग नदारद हैं। इसके चलते तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी, जबकि रात के तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की जा रही है। बुधवार को भी क्षेत्र में मौसम परिवर्तनशील बना रहा और कई स्थानों पर

आंशिक बादलवाही देखने को मिली। मौसम विभाग के अनुसार 16 सितंबर की रात से 18 सितंबर के बीच उत्तर भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ पहुंचने की संभावना है। यह सिस्टम वर्तमान में पाकिस्तान के ऊपर पहुंच चुका है। इसके प्रभाव से दक्षिणी पंजाब और उत्तरी राजस्थान के आसपास एक चक्रवातीय परिसंचरण बनने की संभावना है।

इस मौसमी बदलाव के कारण बुधवार रात से हरियाणा, पंजाब और उत्तरी राजस्थान के मैदानी क्षेत्रों के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में बादलों की आवाजाही बढ़ सकती है। इस दौरान तेज गति की हवाओं के साथ हल्की बारिश या बूंदबांदी की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। हालांकि बारिश की गतिविधियां व्यापक और तेज होने के बजाय कुछ क्षेत्रों तक सीमित रहने की संभावना है।